Maharashtra:	
Kuhi, Nagpur district	: 2,500,000 tonnes with 0.1 to 0.197% WO 3 :
Khobna, Nagpur district	: 4,820,000 tonnes with 0.24% WO 3 : : :
Agargaon, Nagpur district	:2,230,000 tonnes with 0.04—0.27% WO 3
Ranbori, Nagpur district	:2,530,000 tonnes with 6.176% WO 3
Bhanori, Nagpur district	:2,63,000 tonnes with 0.253% WO 3
Karnataka:	
66-KGF prospect, Kolar district	:2,66,880 tonnes with 0.073—0.5% WO 3
Hutti prospect, Raichur district	:1,02,863 tonnes with 0.13% WO 3
Tamil Nadu:	
Kamballipatti, Madurai district	:2,50,000 tonrles with 0.13% WO 3
Haryana:	
Tosham, Bhiwani district	:2,230,000 tonnes with 0.16% WO 3
Andhra Pradesh:	
Burugubanda-Chinnagalikonda, Tapaskonda, Etipalle block East Godavari district	:Prospect is not promising.
West Bengal:	:Prospect is not promising.
Clihandapathar, Porapahar areas, Bankura district.	
Madhya Pradesh:	:Prospect is not promising.
Chunalomn prospect, Betul district	

(Source DID on tungsten, GSI, 1994).

कुल्लू जिले में मनीकर्ण में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण द्वारा कोल्डस्टोर का निर्माण

534. **श्री महेश्वर सिंह** : क्या **खान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि **:**

(क) क्या यह सच है कि भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने हिमाचल प्रदेश राज्य के कुल्लू जिले में स्थित मनीकर्ण में वहां से निकलने वाले गर्म पानी के आधार पर कोल्डस्टोर बनाने पर काफी धन व्यय किया है;

(ख) यदि हां, तो यह निर्णय कब लिया गया और कोल्डस्टोर के निर्माण पर कुल कितना धन खर्च हुआ; और

(ग) क्या इस कोल्डस्टोर को अब उपयोग में लाया जा रहा है?

इस्पात मंत्री तथा खान मंत्री (श्री बीरेन्द्र प्रसाद वैश्य) : (क) और (ख) कुल्लू जिले में मणिकर्ण में कोल्डस्टोर संयंत्र के निर्माण में भारतीय प्रौधोगिकी संस्थान दिल्ली, गैर पारम्परिक ऊर्जा विभाग (डी0एन0ई0एस) और के0लो0नि0वि0 के साथ-साथ भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने भी सहयोग दिया था। भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने विधुत उत्पन्न करने के लिए भुतापीय संभाव्यता का मूल्यांकन करने और कोल्डस्टोर संयंत्र की स्थापना जैसे अवैधुत प्रयोग के लिए वर्ष 1974 में भूतापीय अन्वेषण किया। कोल्डस्टोर संयंत्र के निर्माण के प्रस्ताव को डी0एस0टी0 द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया और तत्पश्चात वर्ष 1980 में डी0एन0ई0एस0 द्वारा इस कार्य का निष्पादन किया गया। इसकी कुल अनुमानित लागत लगभग 10.60 लाख रु0 थी जिसे अनुदान राशि के तौर पर डी0एन0ई0एस0 द्वारा संस्वीकृत किया गया। प्रयोगिक संयंत्र का डिजाइन भारतीय प्रौधोगिकी संस्थान नई दिल्ली ने किया था तथा भवन का निर्माण के0लो0नि0वि0 ने किया था। भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण केवल समन्वय एजेंसी थी।

(ग) वर्ष 1985 में निरीक्षण के दौरान भारतीय प्रौधोगिकी संस्थान, नई दिल्ली ने यह पाया कि भवन में दरारें पड़ गई है, अतः कोल्डस्टोर का प्रयोग नही किया जा सका।